Page:
Date:

दैव प्रतिचयन या यादृच्छिक प्रतिचयन :-
(Random Sampling or Chance Selection)

प्रतिदर्श चयन की यह सर्वश्रेष्ठ रीति है क्योंकि इसमें अनुसन्धानकर्त्ता के पक्षपात की कोई सम्भावना नहीं होती है प्रतिदर्श चयन अनुसन्धानकर्त्ता की 'इच्छा' के बजाय 'अवसर' पर निर्भर करता है। समग्र की प्रत्येक इकाई को इस बात का समान अवसर मिलता है कि वह प्रतिदर्श रूप में चुनी जा सके। अतः इस विधि में समग्र से इकाईयां इस प्रकार छाँटी जाती हैं कि प्रत्येक इकाई के प्रतिदर्श में शामिल होने की बराबर सम्भावना होती है।

प्रायः कहा जाता है कि "एक अच्छा प्रतिदर्श दैव प्रतिचयन पर आधारित होना चाहिए" "A good sample must be based on random selection."

Methods of Random Sampling

दैव प्रतिचयन के अनुसार प्रतिदर्श चुनने की निम्न रीतियाँ हैं-

(A) लॉटरी रीति (Lottery method)

(B) ढोल घुमाकर (By rotating the drum)

Scanned by CamScanner

(c) सुव्यवस्थित क्रम या प्रतिचयन
Systematic Arrangement or Sampling

(D) दैव संख्याएँ सारणी रीति
(Table of random Numbers)

Merits of Sampling methods :-

① निष्पक्ष रीति
② मितव्ययी रीति
③ प्रतिनिधित्व रीति

Demerits of Random Sampling.

① अप्रतिनिधित्व
② अनुपयुक्त रीति
③ अमितव्ययी रीति

Scanned by CamScanner

(3) स्तरित प्रतिचयन (Stratified Sampling)

यह रीति उपरोक्त दोनों अर्थात सविचार रीति एवं दैव प्रतिचयन रीति का सम्मिश्रण है और विविध- विशेषताओं वाले समग्र में से प्रतिदर्श छाँटने के लिए अधिक उपयुक्त है।

इस रीति में सबसे पहले समग्र को उसकी विविध विशेषताओं के आधार पर अनेक सजातीय खण्डों या स्तरों (Strata) में बाँट दिया जाता है इसके बाद प्रत्येक खण्ड में से अनुपातिक रूप में दैव प्रतिचयन के आधार पर इकाईयाँ छाँट ली जाती है। यह रीति सविचार (Deliberate) इस लिए है क्योंकि पहले इच्छानुसार समग्र का विभाजन किया जाता है और दैव इसलिए क्योंकि इकाईयों का चयन सदैव दैव प्रतिचयन आधार पर किया जाता है।

(4) बहुस्तरीय दैव प्रतिचयन

Multistage Random Sampling :-

इस प्रणाली का आधार तो दैव-निदर्शन ही है परन्तु इकाईयों के चयन का कार्य कई स्तरों में किया

Scanned by CamScanner

जाता है। जैसे - यदि बिहार राज्य में प्रति व्यक्ति उपभोग ज्ञात करना हो, तो सबसे पहले पूरे राज्य में से दैव आधार पर कुछ जिले जिले - कुछ शहर - कुछ मोहल्ले - कुछ परिवार। हाँ! यह सब क्रिया सविचार न होकर दैव आधार पर ही की जाती है।

अभ्यंश प्रतिचयन (Quota Sampling)

यह रीति स्तरित प्रतिचयन का ही एक विशिष्ट रूप है। इस रीति में प्रगणकों के लिए अलग-2 कोटा निश्चित कर दिया जाता है अर्थात प्रत्येक प्रगणक को को शुरू में ही बता दिया जाता है कि उसे अपने निर्धारित क्षेत्र में कितनी प्रतिदर्श इकाईयों का चयन करना है कोटे का निर्धारण किसी भी विशेषता जैसे - आय, वर्ग, व्यवसाय राजनैतिक सम्बन्ध के अनुसार किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner